बर्षः- 06
अंकः- 100
मुरादाबाद
(Thursday)
30 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

लोक परीक्षा संशोधन विधेयक लोकसभा से पारित, ध्वनिमत से हुआ मतदान

लोकसभा ने विपक्ष के भारी हंगामे के बीच लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। सरकार ने इसे सार्वजनिक परीक्षाओं की विश्वसनीयता मजबूत करने वाला कानून बताया, जबकि सदन में राहुल गांधी के भाषण और उनकी टिप्पणियों पर भी जोरदार विवाद हुआलोकसभा ने बुधवार को विपक्ष के हंगामे के बीच लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। सदन में विधेयक पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जंतर-मंतर पर छात्रों पर कथित गोलीबारी को लेकर दिए गए बयान और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर लगाए गए आरोपों को लेकर तीखी नोकझोंक हुई। इसके बावजूद सरकार ने विधेयक को सदन से पारित करा लिया। सरकार ने कहा कि यह संशोधन सार्वजनिक परीक्षाओं को निष्पक्ष, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाने की दिशा में एक और मजबूत कदम है। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार नीट पेपर लीक मामले में तेजी से कार्रवाई कर चुकी है और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि संशोधन सरकार की उस सोच को दिखाता है, जिसमें पिछले अनुभवों से सीख लेकर कानून को और मजबूत बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में एंटी पेपर लीक कानून लागू होने के बाद अब तक 52 एफआईआर दर्ज की गई हैं। साथ ही उन्होंने दावा किया कि पेपर लीक से जुड़े मामलों के कारण होने वाली आत्महत्याओं में भी कमी आई है, जिसे उन्होंने कानून के सकारात्मक प्रभाव का संकेत बताया। विधेयक पारित होने के बाद लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

विधेयक पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों का आंदोलन गुस्सा, हिंसा या नफरत नहीं, बल्कि देश के युवाओं की भावनाओं और चिंताओं की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि हर राजनीतिक दल, यहां तक कि भाजपा को भी छात्रों की बात सुननी चाहिए।

राहुल गांधी ने कहा कि अगर भाजपा नेता अपने बच्चों से पूछेंगे कि प्रदर्शन क्यों हो रहा था,
तो उन्हें भी छात्रों की चिंताओं का पता चलेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं ने जो किया, उसमें कुछ भी गलत नहीं था और हर भारतीय को इस पर गर्व होना चाहिए। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि उन्हें छात्रों और युवा छात्राओं से बातचीत के दौरान शिक्षा व्यवस्था को देखने का नया नजरिया मिला।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी को माफी मांगनी पड़ेगी, नेता प्रतिपक्ष की टिप्पणी पर संसदीय कार्य मंत्री ने जताई आपत्ति

लोकसभा में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने छात्रों के प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उनके संबोधन में इस्तेमाल कुछ शब्दों पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आपत्ति जताई। जानिए सदन में राहुल गांधी और सत्ता पक्ष के बीच क्यों हुई तीखी बहस।संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर जमकर हमले किए। उन्होंने हालिया छात्रों के प्रदर्शनों में कथित तौर पर पैलेट्स गन के इस्तेमाल पर सवाल उठाया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जवाब की मांग की। वहीं, सत्ता पक्ष ने उनके शब्दों पर आपत्ति जताई। सांसद राहुल गांधी ने क्या कहा?- कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, देश के गृह मंत्री में यह हिम्मत नहीं है कि वह यहां आकर बैठें। देश के गृह मंत्री डरे हुए हैं। आखिर क्यों गृह मंत्री यहां नहीं है। वह यहां नहीं है, क्योंकि उन्होंने बच्चों पर गोली चलाने का आदेश दिया। मिलाने का आदेश दिया। पुलिस को बल प्रयोग का आदेश सिर्फ गृह मंत्री ही दे सकते हैं।केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने दखल देते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया है। उन्होंने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि अगर संसदीय मर्यादा में रहते हुए राहुल गांधी को बात करनी है। हम बात सुनने को तैयार हैं। राहुल गांधी लोकसभा में एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान बोल रहे थे।

गोरखपुर जनता दर्शन में CM योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, बोले- हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता

गोरखनाथ मंदिर में सात दिवसीय श्रीराम कथा का समापन, CM योगी बोले- कालनेमि जैसे छद्म चेहरों से रहें सावधान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु पूर्णिमा के दिन गोरखपुर में जनता दर्शन आयोजित किया, जहां उन्होंने लगभग 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को त्वरित और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, विशेषकर गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता पर जोर दिया।सीएम योगी ने गोरखपुर में जनता दर्शन आयोजित किया। लगभग 200 लोगों की समस्याएं सुनीं, समाधान का निर्देश। गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु आर्थिक मदद का आश्वासन। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गुरु पूर्णिमा पर्व संबंधी आनुष्ठानिक कार्यक्रम की व्यस्तता के बावजूद जनता दर्शन का आयोजन किया। उन्होंने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर व्यक्ति की समस्या का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता है। लोगों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित किया जाए। बुधवार सुबह गुरु पूर्णिमा पूजन के बाद गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने करने की आवश्यकता नहीं है, सबकी समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। लोगों के प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को सीएम योगी ने आश्वस्त किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा।

उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि संबंधित मरीज के इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को पूर्ण कर इसे जल्द से जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार-दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया। गोरखनाथ मंदिर में श्रीराम कथा के समापन पर सीएम योगी ने देश को अस्थिर करने वाली %कालनेमि जैसी शक्तियों से सावधान रहने को कहा। उन्होंने भारत की प्रगति और सनातन संस्कृति को कमजोर करने के प्रयासों के प्रति आगाह करते हुए परिवार की भूमिका पर भी जोर दिया। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्रीगोरखनाथ मंदिर में आयोजित साथ दिवसीय श्रीराम कथा के समापन अवसर पर बतौर गुरु अपने आशीर्वचन से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश को अस्थिर करने की साजिशों के प्रति लोगों को आगाह किया। कहा कि आज भी समाज में कालनेमि जैसे छद्म चेहरे सक्रिय हैं, जो अलग-अलग रूप धारण कर देश और सनातन संस्कृति को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है और इसी कारण भारत विरोधी ताकतें नई-नई साजिशें रच रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार रामायण में कालनेमि ने हनुमान जी को संजीवनी लाने से रोकने के लिए साधु का वेश धारण किया था, उसी तरह आज भी कुछ लोग अलग-अलग रूपों में समाज को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे लोगों को पहचानना और उनसे सावधान रहना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि जो लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत विरोधी षड्यंत्रों में शामिल हैं, उन्हें समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा।योगी ने कहा कि पहले नक्सलवाद के जरिए देश को अस्थिर करने की कोशिश होती थी, लेकिन आज उसके नए रूप सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 12 वर्ष पहले देश के 120 जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे, जबकि आज एक भी जिला नक्सल प्रभावित नहीं बचा है। ऐसे में जो शक्तियां पहले नक्सलवाद को बढ़ावा देती थीं, वह अब दूसरे रूपों में समाज को बांटने और अशांति फैलाने का प्रयास कर रही हैं।मुख्यमंत्री ने परिवार की भूमिका पर भी जोर दिया। बड़े भाई-बहन ही बच्चों के पहले गुरु होते हैं। छोटे बच्चों को कम उम्र में स्मार्टफोन की लत लगाने के बजाय परिवार में संवाद और संस्कार का वातावरण बनाया जाए। उन्होंने सप्ताह में एक दिन %स्मार्टफोन मुक्त% रहने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत की वैदिक परंपरा और प्राचीन ज्ञान दुनिया की अमूल्य धरोहर है। पांडुलिपियों और ताम्रपत्रों के संरक्षण तथा डिजिटलीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है।

किसानों का भोपाल में प्रदर्शन हुआ उग्रः पांच मांगों पर दिया अल्टीमेटम; CM हाउस घेरने की तैयारी

मूंग की 100% खरीदी, MSP की कानूनी गारंटी समेत पांच सूत्रीय मांगों को लेकर किसानों का आंदोलन भोपाल में तेज हो गया है। वीर सावरकर सेतु पर डटे किसानों ने मुख्यमंत्री आवास तक पहुंचने का एलान किया है। आंदोलन के चलते कई क्षेत्रों के स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है, जबकि पुलिस ने राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।मूंग की 100% खरीदी हो, MSP की कानूनी गारंटी मिले, खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, अमेरिका के साथ प्रस्तावित ट्रेड डील रद्द की जाए और किसानों को दी गई मोदी की गारंटी पूरी की जाए। ये किसानों की पांच प्रमुख मांगें हैं। इन्हीं मांगों को लेकर किसानों ने किसान क्रांति पदयात्रा का शंखनाद करते हुए मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच किया है।इस बीच किसानों का प्रदर्शन उग्र हो चुका है। जैसे ही 11 बजे के बाद किसानों की संख्या बढ़ने लगी। अन्य जिलों से किसान पहुंचने लगे तो किसानों ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन तेज कर दिया है। बसों के ऊपर चढ़ गए हैं। पुलिस की बैरीकेट तोड़कर आगे बढ़ते हुए दिख रहे हैं। पुलिस पर किसानों का पलड़ा भारी होता हुआ दिख रहा है। वहीं किसान नेता शांति की अपील कर रहे हैं। समूह के समूह में बसों की छत के ऊपर चढ़कर किसान नारेबाजी कर रहे हैं। वहीं, किसानों की बड़ी संख्या को देखते हुए भोपाल पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। किसानों के जत्थे को मंगलवार को होशंगाबाद रोड स्थित वीर सावरकर सेतु पर ही रोक दिया गया था। इसके बाद किसानों ने पूरी रात वहीं डेरा डाले रखा। बुधवार सुबह होते ही धरना स्थल पर किसानों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ने लगी। किसान आंदोलन का असर स्कूलों पर भी दिखाई दिया। नर्मदापुरम रोड समेत प्रभावित क्षेत्रों के अधिकांश स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई। बच्चों की सुरक्षा और ट्रैफिक जाम की आशंका को देखते हुए यह निर्णय लिया गया।आज इन-इन जिलों से पहुंचे किसान- नर्मदापुरम, हरदा, रायसेन और सीहोर से बड़ी संख्या में किसान बुधवार को भोपाल पहुंचे। इसके बाद किसान संगठनों ने आंदोलन की आगे की रणनीति पर मंथन किया।

किसानों ने आज भी मुख्यमंत्री आवास के घेराव का एलान किया है। हम आज हर हाल में सीएम हाउस पहुंचेंगे सीएम हाउस तक पहुंचने के लिए किसान लगातार रणनीति बना रहे हैं। कड़ी सुरक्षा और पुलिस की घेराबंदी के बीच किसान अलग-अलग रास्तों से मुख्यमंत्री आवास तक पहुंचने की योजना बना रहे हैं। किसान नेता गजेंद्र सिंह जाट ने कहा, अगर सरकार हमें इस तरह रोकेगी, तो किसान भी मुख्यमंत्री आवास तक पहुंचने के नए तरीके तलाशेंगे। हम आज हर हाल में सीएम हाउस पहुंचेंगे। हमारी मांगें पूरी की जाएं, अन्यथा आंदोलन को और तेज किया जाएगा।दिल्ली के जंतर-मंतर के बाद अब भोपाल में चल रहे किसान आंदोलन में जेन-जी वर्ग के युवाओं ने भी भागीदारी की है। वे रचनात्मक तरीकों से आंदोलन को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रदर्शन में शामिल होकर तख्तियों और पोस्टरों पर नारे लिख रहे हैं। तस्वीर में आप देख सकते हैं कैसे जेन जी हाथों में पोस्टर लिए हुए आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि, बीत कुछ माह से जेन जी देशभर में चर्चा का विषय बने हुए हैं। इस मामले पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा, कृषि मंत्री जी, डरो मत, किसानों की सुनवाई करो। किसानों की आवाज़ को राजनीति कहना सबसे आसान बहाना है, लेकिन उनकी पीड़ा सुनना मोहन सरकार की बुनियादी ज़िम्मेदारी है। यदि सब कुछ ठीक है, तो हजारों किसान परिवार सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर भोपाल क्यों पहुंचे? मुख्यमंत्री बताएं कि किसान भड़काए गए हैं या मोहन सरकार ने उनकी हर गुहार को अनसुना कर दिया है? किसान शांतिपूर्वक अपनी बात कह रहे हैं, लेकिन अहंकार में डूबी सरकार उनकी सुनवाई नहीं कर रही है। मैं स्पष्ट तौर पर फिर दोहराता हूं कि मध्य प्रदेश कांग्रेस किसानों के साथ खड़ी है और उनकी हर मांग का समर्थन करती है।

हम बहुत जल्द दोबारा सड़कों पर उतरेंगेः अभिजीत दीपके का बड़ा बयान, अब क्यों सरकार को चेतावनी दे रही सीजेपी?

कॉकरोच जनता पार्टी ने सरकार पर पेपर लीक प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेने के अपने वादे से मुकरने का आरोप लगाया है। सीजेपी का कहना है कि सरकार इसके लिए सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों का गलत इस्तेमाल कर रही है। यदि सरकार ने छात्रों का उत्पीड़न बंद नहीं किया और मुकदमे वापस नहीं लिए, तो सीजेपी देश भर में फिर से बड़ा आंदोलन शुरू करेगी।कॉकरोच जनता पार्टी ने एक बार फिर देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है। पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार पेपर लीक विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेने के अपने वादे से पीछे हट रही है। सीजेपी का कहना है कि सरकार इसके लिए सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों का सहारा ले रही है। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि अगर छात्रों का उत्पीड़न नहीं रुका और उनके खिलाफ दर्ज मामले वापस नहीं लिए गए, तो पार्टी जल्द ही फिर से सड़कों पर उतरेगी। उन्होंने कहा, %20 जुलाई को छात्रों ने पुलिस की लाठियां और खून-खराबा झेला। अगर सरकार इतने पर भी नहीं चेती और युवाओं का उत्पीड़न जारी रहा, तो हम बहुत जल्द दोबारा सड़कों पर उतरेंगे।%यह बयान ऐसे समय आया है, जब सुप्रीम कोर्ट ने पेपर लीक विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया है। अदालत ने जिन प्रदर्शनकारियों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, उन्हें रिहा करने का भी आदेश दिया, जबकि पहले से दर्ज एफआईआर की जांच जारी रखने की अनुमति दी।सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने दावा किया कि सरकार ने पहले सार्वजनिक रूप से भरोसा दिया था कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज नहीं होगी और पुराने मामले भी वापस लिए जाएंगे। सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देकर कह रही है कि मामला अदालत में विचाराधीन है। दास ने कहा, %हमें उम्मीद थी कि मंगलवार तक सरकार लिखित आश्वासन देगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश को बहाना बनाकर अपने वादे से पीछे हट रही है।

संपादकीय Editorial

Examination Reforms

If deemed necessary, the New Education Policy should also be revised, as the situation has changed significantly with the increasing use of AI. The Prime Minister has formed a task force under the leadership of Nandan Nilekani. The task force will make the examination system technology-based and secure. Emphasis is placed on preventing question paper leaks and increasing student confidence. The Prime Minister's decision to form a task force for examination reforms under the leadership of Infosys co-founder Nandan Nilekani appears to be a concrete step, as the issue is not limited to the medical college entrance exam, NEET. Question papers of countless competitive examinations have been leaked in the past few years. Given this situation, concrete measures to reform all examinations have become necessary. It is hoped that the task force under the leadership of Nandan Nilekani will be able to implement effective measures to improve examinations. This expectation is due to the fact that he is a technology veteran and is considered the father of Aadhaar and UPI. The task force formed under Nilekani's leadership will provide suggestions to make the examination system more effective, secure, and technology-based. These suggestions must be implemented promptly and appropriately, as it cannot be ignored that the Radhakrishnan Committee's suggestions for reforms in NEET were not fully implemented, and this is likely the reason why the exam's question papers were repeatedly leaked. It would have been better if the government had taken the decision it did now, much earlier. The numerous decisions it has taken to reform the exam in the past few days seem to have been made in response to the circumstances arising from the protests by the "Cockroach Janata Party." In any case, at least now, arrangements should be made to prevent question papers from being leaked in any competitive exam. When this happens, it not only calls into question the credibility of the exams, but also wastes students' time and resources. More importantly, it erodes their trust in the entire system. Along with taking strict action against those who manipulate exams, it is not only necessary, but also imperative to undertake radical reforms in the examination system. This scope of reform should not be limited to competitive examinations conducted by central and state institutions. It should also extend to school examinations, as cheating in these exams has become a social evil. A mafia has emerged that manipulates exams, including coaching institutes. Therefore, it is essential to make concerted efforts to improve education along with examinations. If deemed necessary, the new education policy should also be revised, as circumstances have changed significantly with the increasing intervention of AI.

The "Cockroaches" won, the "Pradhan" lost.

The agitating "Cockroaches" won, and Union Education Minister Dharmendra Pradhan was forced to resign.

The "Cockroaches" are currently considering this a trailer and claim to be waiting for the rest of the film. Now, this movement will become national because the youth have awakened. This is the claim of "Cockroaches" spokesperson Saurav Das, himself a young, independent journalist. This movement shattered the notion that resignations are nonexistent in the Modi government. Pradhan is the first cabinet minister to resign. Defense Minister Rajnath Singh also claimed that resignations are nonexistent. This is the most significant political, moral, and mental defeat of the powerful Modi government's 12-year tenure. The defeat also occurred in the context of a movement whose organizers, the "Cockroaches," have no history of agitation and no strong political organization. Compared to the BJP-RSS, they are like an "ant." The government remained in the dark and confused about how the movement's ground machinery was built with digital support.

However, he became the face of the youth, the core and ardent vote bank of the BJP and the Modi government. In the 2024 Lok Sabha elections, approximately 40 percent of youth voted for the BJP, while Congress's support was around 21 percent. The country's population in the 15-29 age group is approximately 560 million. The risk of angering this vote bank was significant. Since the youth movement, anger, and resentment had spread to more than 15 states, not all were led by "cockroaches." Left-wing student organizations also took to the streets. However, a common purpose mobilized the youth, leading to a decision at the highest levels of the government to quell and end the movement as quickly as possible.

Ending Wangchuk's fast was the first significant effort, as he emerged as a "moral commander." Last Friday night, Education Minister Dharmendra Pradhan was asked to resign. Around 9 a.m. on Saturday, Pradhan sent his resignation to Prime Minister Modi. The paper leak is deeply connected to Dharmendra Pradhan. He has been part of the Sangh Parivar's "Admission, Examination, Result" campaign. In 1997, he participated in a movement against paper leaks and the education system under the banner of the Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP).

He too faced police lathicharge and fractures, but emerged as a "hero of the youth" in Odisha.

Now, on the pretext of the paper leak, he has been forced to resign as Education Minister. In fact, paper leaks are not a new problem, but the result of the continuous activities of a mafia spread across 19 states. In the 12 years of the Modi government, 116 papers have been leaked, affecting approximately 75 million young candidates. Leader of the Opposition Rahul Gandhi admits to 152 paper leaks. An independent investigation has revealed that 220 papers were leaked, affecting approximately 100 million young students. Uttar Pradesh has the highest number of cases, with 11, followed by Madhya Pradesh and Rajasthan with 9 each, Maharashtra with 6, and Gujarat with 5. Not just NEET, papers for the Union Public Service Commission, Staff Selection Commission, Army, ONGC, Kendriya Vidyalaya Sangathan, and Agricultural Scientists Recruitment Board have also been leaked, forcing the cancellation of exams. Numerous incidents of paper leaks occurred during the Congress-led UPA government. Even today, paper leaks are being reported in states like Uttarakhand, Punjab, Haryana, Jammu and Kashmir, Telangana, Karnataka, Kerala, and Tamil Nadu. Neither did any "cockroach" demand the resignation of their education ministers, nor were such resignations granted on moral grounds. However, the pressing question now is: will Parliament continue to function and will the new bill related to paper leaks be passed easily? The Modi government will also have to face repeated trials, as all political parties will seek to wash their hands of the youth movement. A way has been found to make Prime Minister Modi a "compromiser." While the Prime Minister is certainly serious about the paper leak and education reforms, there are also several important elections in 2027. Let's see which way the situation turns.

Resignation raises questions

Education Minister Dharmendra Pradhan resigned under pressure from students following the NEET paper leak controversy, raising numerous questions. This resignation does not address the problem, but rather underscores the need for radical changes to the education and examination system. Dharmendra Pradhan resigned as Education Minister under pressure from students. The NEET paper leak controversy raises questions about the government's accountability. There is an urgent need for comprehensive reforms in the education and examination systems. Ultimately, Education Minister Dharmendra Pradhan was forced to resign. This resignation also suggests that the government succumbed to pressure from students protesting at Jantar Mantar under the banner of the Cockroach Janata Party (CJP). In a democracy, there is nothing wrong with following public opinion, and especially the wishes of students. It should be noted that the NEET paper leak affected millions of students, and many others were also outraged. This outrage was natural, and the government should have been concerned about it. However, in doing so, it should not have given the impression that it considered it necessary to demand the resignation of the Education Minister to prevent violence from the anarchic elements who infiltrated among the students at Jantar Mantar. It should be noted that Dharmendra Pradhan stated that he was submitting his resignation to prevent anti-national forces from taking advantage of the situation at Jantar Mantar. If the Education Minister was to resign, why didn't he do so after the NEET paper leak? There had been a demand for it. Similarly, why didn't the government take the numerous steps it took to punish those responsible for the paper leak and address the problem of exam sabotage after the CJP's protest, and especially after the violence during its Parliament march? Had this been done, the CJP's protest might not have even come to fruition. It's natural that the opposition has come forward to take credit for the Education Minister's resignation. But the truth is that with this resignation, not only has the issue that came to its hands, courtesy of the CJP, slipped away, but it has also been faced with the question: when will it demand the resignation of the Education Ministers of the states it rules, especially Karnataka and Punjab, regarding the paper leak cases? Will the CJP also make such a demand? Amidst such questions, it should be understood that resignations may fulfill political accountability and calm public anger, but they do not solve the problem. The paper leak problem cannot be solved until radical changes are made to the entire education and examination system. Such changes are still desired. It remains to be seen whether the new Education Minister who replaces Dharmendra Pradhan will be able to bring about the desired reforms in education and examination.Along with the resignation of Dharmendra Pradhan, the way the government agreed to withdraw the FIR registered against the elements responsible for the violence during the CJP's

Protest Protocol

Unruly elements within the crowd of CJP supporters began pushing and shoving the police, even pelting them with stones. The police were left with no option but to resort to tear gas and lathi charge. The Supreme Court declared peaceful protest a constitutional right and expressed concern over the violence and police brutality during the Parliament march. A protest protocol is needed to curb unruly elements. While hearing the case of violence during the Cockroach Janata Party's Parliament march, the Supreme Court stated that peaceful protest is a constitutional right. This is well known, but the problem is that sometimes, under the guise of peaceful protest, anarchy is resorted to—sometimes openly and sometimes covertly. This is what happened during the CJP's Parliament march. As long as CJP supporters remained seated at Jantar Mantar, nothing happened. Things came to a head when they insisted on marching toward Parliament without permission and, after being stopped by the police, began breaking and crossing barricades. Moreover, unruly elements within the crowd of CJP supporters began pushing and shoving the police, even pelting them with stones. The police were left with no option but to resort to tear gas and lathi charge. This was especially so because they failed to anticipate the size of the crowd and likely lacked adequate arrangements to deal with it. This resulted in excessive force. This later became an issue, especially because several students were also affected by their brutality, and the Rapid Action Force also used pellet guns. Nevertheless, the fact that a large number of police personnel were injured along with the protesters during the Parliament march should not be overlooked. It is good that the Supreme Court, while questioning the police's heavy-handedness.

गुरु पूर्णिमा पर ढकुरिया घाट पर हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, महर्षि वेदव्यास को किया नमन

गुरु पूर्णिमा पर रामपुर के ढकुरिया घाट में हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। वहीं मछुआ समाज ने महर्षि वेदव्यास जी को नमन किया। मौके पर भारी पुलिस बल मुस्तैद रहा।गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर जिले में आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। शाहबाद क्षेत्र के ढकुरिया घाट पर सुबह से ही हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर गंगा में डुबकी लगाई और पुण्य लाभ अर्जित किया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा व सम्मान व्यक्त करते हुए सुख-समृद्धि की कामना की। घाट पर रही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था- गंगा स्नान के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड पर रहा। सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। क्षेत्राधिकारी (CO) देवकीनंदन स्वयं पुलिस बल के साथ मौके पर मुस्तैद रहे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। पुलिसकर्मियों ने घाट पर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी रखी। प्रशासन की सतर्कता के चलते स्नान कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। पूरे दिन घाट पर धार्मिक माहौल बना रहा। मछुआ समाज ने महर्षि वेदव्यास को किया नमन- वहीं, दूसरी ओर गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मछुआ तुरैहा समाज संगठन के तत्वावधान में चौकी हजियानी स्थित जिला मुख्यालय कार्यालय पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान समाज के मार्गदर्शक व गुरु महर्षि वेदव्यास जी के चित्र पर सभी स्वजातीय परिवारों और संगठन पदाधिकारियों ने पुष्प अर्पित कर मंगलकामना की। गुरु के बिना नहीं मिलता ज्ञान व सुमार्ग- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष कमल कुमार तुरैहा ने कहा कि महर्षि वेदव्यास जी ने ही महाभारत महाकाव्य की रचना की थी। उन्होंने वेदों का विभाजन कर उन्हें सरल बनाया, जिससे आम जनमानस भी ज्ञान प्राप्त कर सके। उन्होंने बताया कि गुरु के बिना न तो ज्ञान प्राप्त होता है और न ही सुमार्ग मिलता है। गुरु एक चेतना और मार्गदर्शक हैं, जो सत्य का आभास कराते हैं और ईश्वर से जोड़ते हैं। इसलिए भारतीय संस्कृति में माता-पिता के बाद गुरु का सर्वोच्च स्थान माना जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मछुआ समाज में महर्षि वेदव्यास जी का सर्वोच्च और पूजनीय स्थान है।

दुष्कर्म के दंश से उबरकर लिखी सफलता की इबारत, एक डॉक्टर और 4 बेटियां बनीं टीचर; अब पीड़ितों को दिखा रहीं राह

मुरादाबाद की पांच दुष्कर्म पीड़िताएं सामाजिक तिरस्कार और मानसिक पीड़ा से उबरकर मिसाल बनी हैं। परिवार के सहयोग, मिशन शक्ति की काउंसलिंग और दृढ़ संकल्प से एक डॉक्टर बन रही है और चार सरकारी शिक्षिकाएं हैं, जो अब दूसरों को प्रेरित कर रही हैं।पांच दुष्कर्म पीड़िताएं बनीं डॉक्टर और सरकारी शिक्षिकाएं। मिशन शक्ति केंद्र और परिवार के सहयोग से मिली सफलता। अब ये महिलाएं अन्य पीड़िताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।दुष्कर्म जैसा आघात अक्सर पीड़िताओं से उनका आत्मविश्वास, सपने और सामान्य जीवन छीन लेता है। सामाजिक तिरस्कार, लोगों के सवाल और मानसिक पीड़ा कई बार उन्हें अवसाद की ओर धकेल देते हैं, लेकिन मुरादाबाद की कुछ बेटियों ने इस दर्द को अपनी नियति नहीं बनने दिया। परिवार के अटूट भरोसे, मिशन शक्ति केंद्र में मिली मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग और अपने दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने खुद को तो संभाला ही, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में नई पहचान भी बनाई। इनमें चार युवतियां सरकारी विद्यालयों में शिक्षक हैं, जबकि एक जार्जिया में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही हैं।सबसे बड़ी बात यह है कि जो बेटियां कभी डर और खामोशी में जी रही थीं, वही आज दूसरी पीड़िताओं का हौसला बढ़ाने और उन्हें सामान्य जीवन में लौटने की प्रेरणा भी बन रही हैं। जिले के पाकबड़ा की एक किशोरी के साथ अप्रैल 2019 में दुष्कर्म हुआ था। मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपित की धमकियों और वारदात के सदमे ने उसे मानसिक रूप से पूरी तरह तोड़ दिया। लोगों की बातें और भविष्य की चिंता उसे भीतर ही भीतर परेशान करती थीं। मई से मिशन शक्ति केंद्र में उसकी नियमित काउंसलिंग शुरू हुई। पहली बार अपने मन का डर खुलकर किया साझा- पुलिस की महिला दारोगा से कई दौर की बातचीत के बाद उसने पहली बार अपने मन का डर खुलकर साझा किया। परिवार ने भी लगातार उसका साथ दिया और यह भरोसा दिलाया कि वारदात उसके भविष्य का फैसला नहीं करेगी। धीरे-धीरे उसने पढ़ाई पर दोबारा ध्यान केंद्रित किया। डाक्टर बनने का उसका सपना फिर जीवित हुआ। उसने नीट उत्तीर्ण की और विश्व स्वास्थ्य संगठन से मान्यता प्राप्त तथा भारत सरकार से अनुमन्य जार्जिया के मेडिकल कालेज में प्रवेश लिया। पिछले पांच वर्षों से वह वहां एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है और अगले वर्ष डाक्टर बन देश लौटने की तैयारी में हैं।मूंढापांडे की एक युवती का सपना 12वीं कक्षा के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त करने का था, लेकिन सितंबर 2015 में गांव के ही एक युवक ने प्रेम का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया और बाद में शादी से इन्कार कर दिया। इस घटना ने उसका आत्मविश्वास पूरी तरह तोड़ दिया। वह लोगों से मिलना-जुलना छोड़ने लगी। परिवार ने उसे अकेला नहीं छोड़ा और लगातार हौसला बढ़ाया। मिशन शक्ति केंद्र में कई बार हुई काउंसलिंग ने उसे मानसिक रूप से मजबूत बनाया। उसने फिर से पढ़ाई शुरू की। शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की और वर्ष 2022 में सरकारी विद्यालय में शिक्षक बन गई। आज वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर है, परिवार की जिम्मेदारियां निभा रही है और अपने अनुभव के आधार पर दूसरी पीड़िताओं को भी टूटने के बजाय आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।बिलारी की एक युवती ने बताया कि जब उनकी उम्र करीब 17 वर्ष थी, तब उनके पड़ोस में रहने वाले एक युवक ने घर में अकेला पाकर उनसे दुष्कर्म किया। वारदात के बाद उन्होंने खुद को कमरे में कैद कर लिया। लोगों से मिलना-जुलना छोड़ दिया। इससे पढ़ाई भी बीच में छूट गई। मिशन शक्ति केंद्र में हुई नियमित काउंसलिंग ने धीरे-धीरे उनके भीतर आत्मविश्वास लौटाया। उन्होंने दोबारा पढ़ाई शुरू की और वर्ष 2022 में सरकारी शिक्षक बन गईं।
आज वह छोटे भाई की पढ़ाई का खर्च उठा रही हैं और माता-पिता का सहारा बनी हुई हैं। इतना ही नहीं, वंचित परिवार की लड़कियों को वह निश्शुल्क शिक्षा देकर उनको सशक्त बना रही हैं। इसी तरह की परिस्थितियों से गुजरीं दो अन्य युवतियों ने भी परिवार के सहयोग और लगातार मनोवैज्ञानिक परामर्श के सहारे खुद को संभाला। उन्होंने पढ़ाई पूरी की, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की और सरकारी विद्यालयों में शिक्षक बनीं। कभी जिनके सामने भविष्य अंधकारमय दिखाई देता था, वे आज सम्मानजनक जीवन जी रही हैं।
अब खामोश नहीं, न्याय के लिए बुलंद कर रहीं आवाज- कभी डरी-सहमी रहने वाली ये पीड़िताएं अब पूरी दृढ़ता के साथ न्याय की लड़ाई लड़ रही हैं। आत्मनिर्भर बनने के साथ उनका आत्मविश्वास भी लौटा है। अब वे अदालत में बेखौफ होकर अपनी बात रख रही हैं। सभी मामलों के आरोपित मुरादाबाद जेल में बंद हैं। जार्जिया में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही युवती भी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायिक प्रक्रिया में नियमित रूप से शामिल होती हैं। सभी को भरोसा है कि दोष सिद्ध होगा और कसूरवारों को सजा मिलेगी। परिवार का भरोसा और संवाद पहली सीढ़ी- मनोविज्ञानी डा. रीना तोमर कहती हैं कि दुष्कर्म जैसी वारदात के बाद समय पर मिला भावनात्मक सहयोग पीड़ित को सामान्य जीवन में लौटने और सपनों को पूरा करने का आत्मविश्वास देता है। काउंसलिंग के दौरान पीड़ितों को पिछले ऐसे केस के बारे में बताते या जरूरत पड़ने पर मिलवाते हैं, जिनसे इच्छाशक्ति के बल पर युवतियां उबरीं और खुद को सशक्त बनाया। - प्रत्येक थाने में मिशन शक्ति केंद्र है। दुष्कर्म या छेड़छाड़ जैसे मामलों में यहां किशोरियों को आवश्यक रूप से व बालिगों को आवश्यकतानुसार परामर्श मिलता है। केंद्र प्रभारी पीड़ित व घरवालों के संपर्क में रहते हैं। जरूरत पर बार-बार काउंसलिंग की जाती है। - सतपाल अंतिल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

एक कानून, दो जिलों में अलग मुआवजा! SC-ST एक्ट के भुगतान में खेल पर PMO का एक्शन, जांच शुरू

मुरादाबाद में एससी-एसटी एक्ट के तहत मुआवजे के भुगतान में कथित अनियमितताओं की जांच शुरू हो गई है। एक ही अधिकारी द्वारा दो जिलों में अलग-अलग भुगतान के आरोपों के बाद पीएमओ ने भी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।एससी एसटी के मुआवजे की फाइलों में छिपा अंतर, अब होगी पड़तालएससी-एसटी एक्ट के तहत पीड़ितों को मिलने वाली आर्थिक सहायता में कथित अंतर का मामला अब जांच के घेरे में आ गया है। एक ही अधिकारी, एक ही कानून और दो पड़ोसी जिलों में मुआवजा वितरण के अलग-अलग तरीके अपनाने के आरोपों ने विभागीय व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय ने भी मामले में जांच कर कार्रवाई की आख्या मांगी है। सामाजिक न्याय मंच के अध्यक्ष एडवोकेट बृजलाल जाटव की शिकायत पर मंडलायुक्त मुरादाबाद ने मामले को गंभीर मानते हुए संयुक्त विकास आयुक्त (जेडीसी) के माध्यम से उपनिदेशक समाज कल्याण मुरादाबाद मंडल से जांच शुरू कराई है।शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अमरोहा की समाज कल्याण अधिकारी पंखुड़ी जैन ने एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मिलने वाली सहायता राशि के भुगतान में नियमों की अनदेखी की। शिकायतकर्ता का दावा है कि मुरादाबाद में तत्कालीन प्रभारी जिला समाज कल्याण अधिकारी रहते हुए जिन मामलों में निर्धारित मानकों के अनुसार अधिक भुगतान किया गया, उन्हीं धाराओं के मामलों में अमरोहा में कम राशि दी गई। मुआवजे की रकम बनी विवाद की वजह- शिकायत में कई मुकदमों का उदाहरण देते हुए दावा किया गया है कि कुछ मामलों में जहां अधिनियम के तहत अधिक धनराशि का प्रावधान था, वहां पीड़ितों को कम भुगतान किया गया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इससे पीड़ितों को उनके कानूनी अधिकार से वंचित होना पड़ा।मंडलायुक्त कार्यालय से जारी जांच आदेश में कहा गया है कि शिकायत में लगाए गए आरोप गंभीर हैं, इसलिए सभी तथ्यों की बिंदुवार अभिलेखीय जांच कराई जाए। शिकायत सही पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 15 दिन में रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।मामले की शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय में भी की गई थी। वहां से प्रकरण मुख्यमंत्री कार्यालय के लोक शिकायत अनुभाग को भेजा गया। मुख्यमंत्री कार्यालय ने 24 जुलाई को एसएसपी मुरादाबाद को पत्र भेजकर नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद एसएसपी कार्यालय ने 25 जुलाई को मामला क्षेत्राधिकारी स्तर पर भेजते हुए आवश्यक कार्रवाई और जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा है। अब खुलेगी वर्षों की फाइलों की जांच- शिकायतकर्ता ने वर्ष 2023 से अब तक एससी-एसटी एक्ट के तहत हुए सभी भुगतान की जांच कराने की मांग की है। माध्यम से मंडलायुक्त को भेजी जाएगी। रिपोर्ट आने के बाद ही तय होगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है और आगे क्या कार्रवाई होगी। उपनिदेशक समाज कल्याण ने बताया कि मुझे जांच मिली है लेकिन अभी तक रिपोर्ट नहीं दी है दो दिन और लग जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में मानसून ने फिर पकड़ी रफ्तार, 16 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने जारी की नई चेतावनी, कई जिलों में भारी बारिश और बिजली गिरने का खतरा; किसानों और आम लोगों को सतर्क रहने की सलाह उत्तर प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। भारतीय मौसम विभाग (IMD) के अनुसार 29 जुलाई को प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश, मेघगर्जन और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों के लिए अलग-अलग स्तर के अलर्ट जारी किए गए हैं। मौसम विभाग के लखनऊ केंद्र का कहना है कि कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है, इसलिए लोगों से मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने की अपील की गई है। 16 जिलों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी- ऑरेंज अलर्ट जारी-मौसम विभाग ने राज्य के 16 जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा को लेकर %ऑरेंज अलर्ट% जारी किया है। इन इलाकों में गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने का जोखिम सबसे अधिक रहेगा। ऑरेंज अलर्ट प्रभावित क्षेत्र- सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, अमरोहा, संभल, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, बलरामपुर, चित्रकूट, सोनभद्र और मिर्जापुर। 39 जिलों में येलो अलर्ट, गरज-चमक और बिजली गिरने की आशंका प्रदेश के 39 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक और वज्रपात की संभावना बनी हुई है। येलो अलर्ट वाले जिले- मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, एटा, कासगंज, बदायूं, फर्रुखाबाद, कन्नौज, हरदोई, सीतापुर, लखनऊ, उन्नाव, कानपुर नगर, कानपुर देहात, औरैया, इटावा, जालौन, झांसी, ललितपुर, महोबा, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, रायबरेली, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, प्रयागराज, संत रविदास नगर (भदोही), वाराणसी, चंदौली और गाजीपुर। किसानों के लिए मौसम विभाग की अहम सलाह- मौसम विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे खराब मौसम के दौरान विशेष सावधानी बरतें। यदि खेतों में पानी भरने की स्थिति बने तो समय रहते जल निकासी की व्यवस्था करें। गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना के दौरान खेतों में काम करने से बचें। कृषि संबंधी गतिविधियों की योजना मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही बनाएं। आम लोगों के लिए जरूरी सावधानियां- खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें। आकाशीय बिजली के समय खुले मैदान, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहें। मौसम विभाग की ताजा चेतावनियों पर लगातार नजर रखें। जलभराव वाले क्षेत्रों में वाहन चलाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें।

जौहर यूनिवर्सिटी के छात्रों का बेमियादी धरना आधी रात में समाप्त

जौहर यूनिवर्सिटी के छात्रों का बेमियादी धरना आधी रात में समाप्त रामपुर। जौहर यूनिवर्सिटी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के विरोध में पिछले दस दिनों से चल रहा छात्रों का बेमियादी धरना सोमवार आधी रात को समाप्त करने की घोषणा कर दी गई। यह निर्णय कमिश्नर कोर्ट में अगली सुनवाई तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई पर रोक लगाए जाने के आश्वासन के बाद लिया गया। छात्रों का कहना था कि जब तक उनकी पढ़ाई और यूनिवर्सिटी के भविष्य को लेकर स्पष्ट आश्वासन नहीं मिलता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। सोमवार को आधी रात अफसरों और छात्र प्रतिनिधियों के बीच हुई वार्ता के बाद आंदोलनकारी छात्रों ने देर रात धरना समाप्त करने की घोषणा की। धरना स्थल पर मौजूद छात्र नेताओं ने कहा कि प्रशासन के इस फैसले का सम्मान करते हुए फिलहाल आंदोलन स्थगित किया जा रहा है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में किसी प्रकार की प्रतिकूल कार्रवाई की जाती है तो छात्र दोबारा आंदोलन शुरू करने से पीछे नहीं हटेंगे। गौरतलब है कि रामपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जौहर यूनिवर्सिटी के भवनों को लेकर जारी ध्वस्तीकरण आदेश के विरोध में छात्र पिछले दस दिनों से परिसर में लगातार धरने पर बैठे थे। इस दौरान विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों ने भी छात्रों के आंदोलन को समर्थन दिया। अब कमिश्नर कोर्ट की अगली सुनवाई पर सभी की निगाहें टिकी हैं, जहां मामले की आगे की सुनवाई होगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

चीफ सेक्रेटरी-डीजीपी आज बरेली आएंगे, 5 बड़े एक्शन की तैयारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश के चीफ सेक्रेटरी-डीजीपी (पुलिस महानिदेशक) का 30 जुलाई को बरेली दौरा प्रस्तावित है। इसके लिए स्थानीय प्रशासनिक और पुलिस महकमे ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। शासन स्तर से मिली मौखिक सूचना के बाद बरेली मंडल के आला अधिकारियों को अलर्ट पर रखा गया है।

सावन के पावन महीने और कांवड़ यात्रा के बीच चीफ सेक्रेटरी शशि प्रकाश गोयल और डीजीपी राजीव कृष्ण के औचक समीक्षा दौरे को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सूत्रों का दावा है कि इस दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय की सीधी नजर बरेली पर है और कल की इस महाबैठक में 5 ऐसे चौंकाने वाले एक्शन लिए जा सकते हैं, जो जिले की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था को हिलाकर रख देंगे।

चीफ सेक्रेटरी-डीजीपी की 3 बिंदुओं पर रहेगी पैनी नजर

कांवड़ यात्रा रूट का भौतिक सत्यापन : सुरक्षा बलों की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति और ड्रोन निगरानी की समीक्षा।

महिला सुरक्षा और 'मिशन शक्ति' : जिले में महिलाओं से जुड़े अपराधों पर पुलिस की त्वरित कार्रवाई और पेंडिंग मामलों की जांच।

सड़क एवं गड्ढामुक्ति अभियान : शहर और बाईपास की सड़कों की वर्तमान स्थिति तथा ट्रैफिक डायवर्जन का फुलप्रूफ प्लान।

सांसद नीरज मौर्य ने लोकसभा में उठाया छात्रवृत्ति घोटालों का मुद्दा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सपा सांसद नीरज मौर्य ने अनुसूचित जाति व जनजाति के छात्रों की प्री व पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं में हुए करोड़ों के फर्जीवाड़े को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। लोकसभा में सांसद इकरा चौधरी, बाबू सिंह कुशवाहा व अन्य सहयोगियों के साथ उठाए गए संयुक्त सवाल के जवाब में सरकार की ओर से भ्रष्टाचार व नुकसान का राज्यवार आंकड़ा न दिए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। सांसद नीरज मौर्य ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और पंजाब जैसे राज्यों में शिक्षा माफियाओं की ओर से हजारों करोड़ रुपये का गबन किया जा चुका है। इस मामले में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से संयुक्त प्रश्न पूछा था। लेकिन केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले डीबीटी का राग अलाप कर शिकायतों को सीधे राज्य सरकारों के पाले में डाल रहे हैं। सांसद ने कहा कि सरकार किसी भी राज्य में कथित छात्रवृत्ति घोटालों, वित्तीय नुकसान और दोषियों पर की गई कार्रवाई का राज्यवार विवरण नहीं दे सकी। आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में सामने आए कथित घोटालों के बावजूद केंद्र जवाबदेही तय करने से बच रहा है। उन्होंने छात्रवृत्ति योजनाओं की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर सख्त कार्रवाई और निगरानी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने की मांग की।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

कछला घाट पर एडीजी रमित शर्मा ने परखे सुरक्षा के इंतजाम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा ने मंगलवार को कछला घाट का स्थलीय निरीक्षण किया। इसके बाद पुलिस लाइन सभागार में सीमावर्ती जनपद के अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक लेकर सुरक्षा, यातायात और अंतर्जनपदीय समन्वय को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एडीजी ने कछला घाट पर गहरे पानी वाले क्षेत्रों में की गई मजबूत बैरिकेडिंग, सुरक्षा रस्सियों, रेड फ्लैग, चेतावनी बोर्ड और सुरक्षित स्नान के इंतजामों का जायजा लिया। उन्होंने गोताखोरों, जल पुलिस, लाइफ जैकेट, रबर ट्यूब और अन्य जीवनरक्षक उपकरणों की उपलब्धता एवं उनकी सक्रियता की जांच करते हुए सभी संसाधनों को हर समय तैयार रखने के निर्देश दिए। साथ ही वॉच टावर, सीसीटीवी कैमरे, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, प्रकाश व्यवस्था, मेडिकल सहायता, एंबुलेंस, फायर सर्विस और आपातकालीन रेस्क्यू व्यवस्था का भी निरीक्षण किया।

कांवर यात्रा से पहले एसपी सिटी ने शहर के मंदिरों का किया भ्रमण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सावन माह में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। मंगलवार को एसपी सिटी मानुष पारीक और सीओ फर्स्ट शिवम आशुतोष ने शहर के प्रमुख सातों नाथ मंदिरों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने अलखनाथ मंदिर, मढ़ीनाथ मंदिर, तपेश्वरनाथ मंदिर, धोपेश्वरनाथ मंदिर, पशुपतिनाथ मंदिर, बनखंडीनाथ मंदिर और टीवरीनाथ मंदिर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान मंदिर परिसर, श्रद्धालुओं की आवाजाही, सुरक्षा इंतजाम, पार्किंग व्यवस्था और कांवड़ यात्रा को लेकर की गई तैयारियों की जानकारी ली गई। एसपी सिटी ने संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि सावन माह में मंदिरों पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाए। किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो, इसके लिए पुलिस बल की तैनाती और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। ताकि सावन माह में श्रद्धालु भक्त व दूर दूर से गंगाजल लाने वाले काँवरियो सुरक्षित और सुगम तरीके से महादेव पर जलाभिषेक कर सकें।

नाले में गिरकर बहा दिव्यांग बच्चा, अभी तक लापता

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आंवला में मोहल्ला खेड़ा में मंगलवार शाम को हुई बारिश के दौरान दिव्यांग बच्चा नाले में गिरकर बह गया। नाला गहरा है, बच्चे की खोज में पालिका की पांच टीमों को लगाया गया है। दो जेसीबी मशीन भी लगाई गई हैं, लेकिन देर शाम तक बच्चा बरामद नहीं हुआ तो देर रात एसडीआरएफ भी पहुंच गई। एसडीआरएफ के जवान भी नाले में बच्चे को तलाशते रहे मगर देर रात तक कुछ पता नहीं चला। बच्चे के पिता नन्दराम प्रजापति ने बताया कि वह मोहल्ला खेड़ा का निवासी है और मिट्टी के बर्तन बनाने का काम करता है। उसका छह वर्षिय बेटा प्रीत एक पैर से दिव्यांग है और वॉकर से चलता है। वह मंगलवार दोपहर चार बजे बाद हुई बारिश में मोहल्ले के अन्य बच्चों के साथ गमाडेट मंदिर के पास नहा रहा था। अचानक पैर फिसलने से वह आठ फिट गहरे नाले में गिर गया, पूरे मोहल्ले के पानी का बहाव इस नाले की ओर है। तेज बहाव में बच्चा बह गया। उसके साथ के अन्य बच्चों ने परिजनों को सूचना दी, जिस पर मोहल्ले के लोगों ने बच्चे को खोजना शुरू किया।

घटना की सूचना पर एसडीएम सुशील कुमार मिश्रा, तहसीलदार अतुल सेन सिंह, नायब तहसीलदार दीप्ति पाल, चेयरमैन सैय्यद आबिद अली, ईओ प्रदीप गिरि, कोतवाल बीनू सिंह, लेखपाल राहुल शर्मा आदि पहुंच गए।

नगर पालिका की टीमों, पुलिस टीम तथा फायर बिग्रेड टीम ने बच्चे की खोज शुरू की। पालिका अध्यक्ष सैय्यद आबिद अली ने तमाम सफाई कर्मियों को बच्चे को खोजने में जुटाया।

मंत्री के कहने पर डीएम ने भेजी एसडीआरएफ- चार घंटों के प्रयास के बाद भी देर शाम तक बच्चे की खोज नहीं की जा सकी। इसकी सूचना पर पूर्व चेयरमैन संजीव सक्सेना ने कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह को जानकारी दी, जिस पर मंत्री ने डीएम से फोन पर बात कर बच्चे को बरामद कराने के लिए कहा है। डीएम ने तत्काल एसडीआरएफ की टीम को आंवला भेजा। उन्होंने घटना को दुखद बताया है। एसडीआरएफ ने आते ही बच्चे की तलाश शुरू कर दी। एसडीआरएफ देर रात तक बच्चे की तलाश में नाला खंगालती रही मगर कुछ पता नहीं चला। ईओ नगर पालिका परिषद आंवला, प्रदीप गिरि ने कहा कि नाले में गिरे बच्चे की खोज के लिए नगर पालिका की पांच टीमें और एसडीआरएफ की टीम जुटी हुई हैं। जल्द ही बच्चे को खोज लिया जायेगा।

बड़े नालों पर नही हैं सुरक्षा के इंतजाम- नगर में कई बड़े और गहरे नाले हैं, लेकिन पालिका द्वारा उनके किनारे सुरक्षा फेंसिंग अथवा सुरक्षा दीवार की व्यवस्था नहीं की गई है। सभी जगह नाले खुले हुए हैं। लगभग छह साल पहले भी बारिश के दौरान मोहल्ला भुर्जीटोला से विलायतगंज जाने वाले रोड पर नाले में गिरकर एक बालक की मौत हो गई थी।

काला-अज़ार पर बड़ा अलर्ट: उत्तराखंड-नेपाल बॉर्डर से आने वाले मरीजों की होगी सख्त निगरानी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । रेडिसन होटल में मंगलवार को काला-अज़ार की रोकथाम और उपचार को लेकर प्रदेश के सात संवेदनशील जनपदों की महत्वपूर्ण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता अपर निदेशक मलेरिया एवं वीबीडी उत्तर प्रदेश ने की, जबकि अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बरेली मंडल भी मौजूद रहीं। कार्यशाला में बताया गया कि काला-अज़ार एक जानलेवा परजीवी रोग है, जो सैंडफ्लाई के काटने से फैलता है। लगातार बुखार, तिल्ली और लीवर का बढ़ना, शरीर का रंग काला पड़ना, एनीमिया और तेजी से वजन घटना इसके प्रमुख लक्षण हैं। समय पर जांच और इलाज से इस बीमारी पर पूरी तरह काबू पाया जा सकता है। विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य कर्मियों को ह्च्च39 टेस्ट, आधुनिक उपचार और बचाव के उपायों की जानकारी दी। साथ ही उत्तराखंड और नेपाल से आने वाले संदिग्ध मरीजों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। कार्यशाला में मलेरिया, डेंगू और फाइलेरिया की रोकथाम पर भी आवश्यक जानकारी साझा की गई।

गुणवत्तापूर्ण माटीकला उत्पादों को बढ़ावा देने पर विधायक ने दिया जोर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। 'माटीकला बोर्ड स्थापना पखवाड़ा' के तहत आयोजित मंडल स्तरीय जागरूकता एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मिट्टी के हुनर को नई पहचान मिली। महावीर जैन मंदिर परिसर स्थित संजय कम्युनिटी हॉल में आयोजित कार्यक्रम में बरेली मंडल के चारों जनपदों से आए 16 माटीकला कारीगरों ने अपने आकर्षक एवं आधुनिक उत्पादों का प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। समारोह के मुख्य अतिथि कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कारीगरों को सम्मानित किया।

शाहजहांपुर के भानु प्रताप को प्रथम पुरस्कार के रूप में ?15,000, बदायूं के लोकेश को द्वितीय पुरस्कार ?12,000 तथा बरेली के विनय कुमार को तृतीय पुरस्कार ?10,000 के डमी चेक, अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। विधायक संजीव अग्रवाल ने माटीकला शिल्पियों के हुनर की सराहना करते हुए कहा कि समय की मांग के अनुरूप आधुनिक, आकर्षक और गुणवत्तापूर्ण माटीकला उत्पाद तैयार किए जाएं, ताकि पर्यावरण के अनुकूल एवं स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित इन उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग हो और पारंपरिक कला को नई ऊंचाइयां मिल सकें। कार्यक्रम में मंडल के सभी जनपदों के माटीकला कारीगर, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, विभागीय कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा को लेकर बरेली परिक्षेत्र हाई अलर्ट: 12 फीट से ऊंची, 10 फीट से चौड़ी कांवड़ और 75 डेसिबल से अधिक आवाज वाले डीजे पर रोक

ICCC से होगी लाइव निगरानी, हर शिविर में सीसीटीवी और महिला सुरक्षा के विशेष इंतजाम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा-2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए बरेली परिक्षेत्र पुलिस ने व्यापक सुरक्षा योजना तैयार कर ली है। बुधवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार साहनी ने बरेली परिक्षेत्र कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बरेली, बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर के पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था का खाका तैयार किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

डीआईजी ने निर्देश दिए कि सभी कांवड़ शिविर प्रशासन की अनुमति मिलने के बाद ही लगाए जाएंगे। शिविर और कांवड़ स्टैंड सड़क से पर्याप्त दूरी पर बनाए जाएंगे ताकि यातायात बाधित न हो। प्रत्येक शिविर के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे तथा ड्यूटी पर तैनात प्रत्येक सेवादार के लिए पहचान पत्र अनिवार्य होगा। महिला श्रद्धालुओं के लिए अलग शौचालय, विश्राम कक्ष, महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती तथा मिशन शक्ति सहायता केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे। अग्नि सुरक्षा के लिए प्रत्येक शिविर में फायर एक्सटिंग्विशर एवं टीन शेड की व्यवस्था अनिवार्य रहेगी।

पूरे कांवड़ मार्ग को सुपर जोन, जोन, सेक्टर और सब-सेक्टर में बांटकर पुलिस की पैदल और बाइक गश्त बढ़ाई जाएगी। बरेली रिजर्व पुलिस लाइन में इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर (ICCC) स्थापित किया जाएगा, जहां से चारों जनपदों के प्रमुख कांवड़ मार्गों, घाटों,

मंदिरों और चौराहों की लाइव मॉनिटरिंग होगी।

सभी कांवड़ मार्गों पर सीसीटीवी एवं आईपी कैमरे लगाए जाएंगे, जिनकी निगरानी परिक्षेत्र कार्यालय की कांवड़ सेल भी करेगी।बदायूं के कछला घाट पर अस्थायी थाना, चार पुलिस चौकियां, चार वॉच टावर, सीसीटीवी कंट्रोल रूम और वायरलेस संचार व्यवस्था स्थापित की जाएगी। घाटों पर एसडीआरएफ, फ्लड पीएसी, गोताखोर, नाव, लाइफ जैकेट, बैरिकेडिंग और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। कांवड़ मार्ग से जुड़े अस्पतालों में श्रद्धालुओं के लिए बेड आरक्षित रहेंगे तथा मोटर बाइक एम्बुलेंस और मोबाइल मेडिकल सहायता दल तैनात किए जाएंगे।

यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए बरेली, बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर में संयुक्त रूट डायवर्जन लागू होगा। दूध, दवा, अखबार, राशन और पशु चारा जैसे आवश्यक वस्तुओं के वाहनों के लिए अलग मार्ग और समय निर्धारित किया जाएगा। जहां सड़क निर्माण कार्य चल रहा है, वहां वैकल्पिक मार्ग तैयार किए जाएंगे। मार्गों पर रिफ्लेक्टरयुक्त बैरियर लगाए जाएंगे तथा पीए सिस्टम के जरिए लगातार घोषणाएं की जाएंगी।

डीआईजी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि रेलवे लाइन और बिजली के तारों की सुरक्षा को देखते हुए कांवड़ की अधिकतम ऊंचाई 12 फीट और अधिकतम चौड़ाई 10 फीट ही होगी। वहीं डीजे की ध्वनि 75 डेसिबल से अधिक नहीं रहेगी।

डीजे वाहनों का आकार और ध्वनि स्तर माननीय उच्चतम न्यायालय एवं शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप रखना अनिवार्य होगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाली शराब और मांस की दुकानों तथा मांस परोसने वाले ढाबों और होटलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। नगर निगम, जिला पंचायत और ग्राम पंचायतों के सहयोग से पूरे मार्ग पर साफ-सफाई, कूड़ेदानों को ढकवाने तथा मृत पशुओं को तत्काल हटाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

साथ ही कांवड़ यात्रा के दौरान दुर्घटनाओं, गौकशी और अन्य संवेदनशील घटनाओं पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक कांवड़ जत्थे के लिए नोडल उपनिरीक्षक नियुक्त किए जाएंगे तथा श्रद्धालुओं को पहचान पत्र जारी किए जाएंगे, जिन पर संबंधित थाना प्रभारी और हल्का प्रभारी का मोबाइल नंबर अंकित रहेगा।

बैठक के अंत में डीआईजी अजय कुमार साहनी ने सभी जनपद प्रभारियों को लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग, नगर निकाय, जिला पंचायत तथा अन्य संबंधित विभागों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर समय से सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे प्रशासन का सहयोग करें और श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में सहभागी बनें।

श्री हरि मंदिर में भक्ति के साथ मनाई गई व्यास पूर्णिमा, गुरु पूजन में उमड़े श्रद्धालु

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । श्री हरि मंदिर में व्यास पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गुरुदेव श्री हरर्मिलापी जी महाराज के स्वरूप का विधि-विधान से पूजन और आरती की गई। मंदिर के पुजारी रमेश तिवारी एवं सुनील शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गुरु पूजन कराया। मंदिर अध्यक्ष सुशील अरोड़ा ने दीप प्रज्ज्वलित कर सभी श्रद्धालुओं को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं। भक्तों ने तिलक, आरती और गुरु वंदना में भाग लिया। कार्यक्रम का समापन खीर के प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

जिला अस्पताल में डीएम का औचक निरीक्षण, मरीजों की सुविधाओं का लिया जायजा, हैवी जनरेटर की व्यवस्था कर निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ ओपीडी, वार्डों एवं दवा भंडार का किया निरीक्षण, वायरल व डायरिया के मरीजों पर विशेष निगरानी रखने के दिए निर्देश जनपद में आमजन को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर अस्पताल की व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ओपीडी, ऑर्थो वार्ड, चिल्ड्रन वार्ड, आयुष्मान वार्ड, दवा वितरण काउंटर एवं दवा भंडार सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक मरीज को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों एवं गंभीर मरीजों की देखभाल प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान वर्षा ऋतु में वायरल बुखार एवं डायरिया के मामलों में वृद्धि की संभावना रहती है, इसलिए ऐसे मरीजों की विशेष निगरानी रखते हुए समय से जांच, उपचार एवं आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही अस्पताल परिसर में स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण एवं पेयजल व्यवस्था को भी बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके तीमारदारों से संवाद कर उपचार एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों से चिकित्सकों के व्यवहार, दवाओं की उपलब्धता तथा अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान अधिकांश मरीजों ने अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान सभी वार्डों में कूलर, एयर कंडीशनर एवं पंखे सुचारु रूप से संचालित पाए गए। दवा भंडार में आवश्यक जीवनरक्षक एवं सामान्य उपयोग की दवाओं का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध मिला। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अस्पताल में किसी भी आवश्यक दवा का अभाव न होने पाए तथा मरीजों को सभी सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं।जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि जिला अस्पताल में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उच्च क्षमताजनरेटर की व्यवस्था शीघ्र कराई जाए, जिससे विद्युत बाधित होने की स्थिति में भी अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे, फिजियोथैरेपी सहित अन्य सभी आवश्यक चिकित्सा सेवाएं एवं जांचें बिना किसी व्यवधान के संचालित होती रहें मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

संक्षिप्त समाचार

बदायूं में बड़ा हादसा: मंदिर परिसर में पूजा के दौरान पीपल की डाल गिरी, दो महिलाओं की मौत, तीन घायल

बदायूं के कुंवरगांव थाना क्षेत्र के ललेई गांव में बुधवार को पूजा के दौरान पीपल की डाल गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गईं। यह घटना गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में आयोजित पूजा के दौरान हुई।बदायूं के कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव ललेई में बुधवार को ग्राम देव की पूजा के दौरान बड़ा हादसा हो गया। पूजन के दौरान पीपल की डाल टूटकर महिलाओं के ऊपर गिर गई। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। तीन महिलाएं घायल हुई हैं। इनको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक गांव ललेई में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर महिलाएं बुधवार दोपहर ग्राम देव की पूजा कर रही थीं। पूजा के दौरान पीपल की बड़ी डाल टूटकर महिलाओं के ऊपर गिर गई। इससे महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। महिला ऊषा (40 वर्ष) पत्नी रामौतार की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी घायल महिलाओं को आनन-फानन जिला अस्पताल लेकर जाया गया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने अमीर बानो (45 वर्ष) पत्नी तसब्बर को मृत घोषित कर दिया। बताते हैं कि अमीर बानो पूजा देखने के लिए खड़ी थीं। जिला अस्पताल में घायल हरदेदी, श्यामा देवी और रामलली का इलाज किया जा रहा है। बंदरों के उछल-कूद से टूटी डाल - कुंवरगांव के थानाध्यक्ष राजेश कौशिक ने बताया कि बुधवार दोपहर बाद करीब 3.15 बजे पीआरवी 6625 के माध्यम से सूचना मिली कि ग्राम ललेई स्थित गमा देवी मंदिर परिसर में खड़े पीपल पेड़ के नीचे हवन कीर्तन हो रहा था। पीपल की डाल पर बंदर उछल-कूद कर रहे थे, जिससे डाल टूटकर गिर गई। जिसके नीचे दबने से ऊषा देवी और अमीर बानो की मौत हो गई। भजन-कीर्तन कर रही थीं 20-25 महिलाएं- पुलिस के मुताबिक घटनास्थल पर मौजूद महिलाओं के एकत्रित होने की जानकारी की गई तो मालूम हुआ कि गमा देवी मंदिर पर प्रत्येक वर्ष गुरु पूर्णिमा को हवन कराया जाता है। पूजन होता है। बुधवार को भी भजन-कीर्तन हो रहा था। करीब 20-25 महिलाएं ढोलक, मजीरा बजाकर कीर्तन कर रही थीं।एक साल से सूखी थी डाल - मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि जो डाल टूटकर गिरी, वह सूखी हुई थी। एक साल पहले इसी डाल को रस्सी बांधकर ट्रैक्टर से खींचा गया था लेकिन ये टूटी नहीं, इसलिए इसे ऐसे ही छोड़ दिया गया था। एक वर्ष से डाल ऐसे ही थी। इस बार कई बार आंधी आई लेकिन इसे कोई नुकसान नहीं हुआ। बुधवार को बंदरों के उछल-कूद से डाल टूटकर गिर गई।

अभिभावकों के नाम खुला पत्र जारी, बच्चों के सुरक्षित और शिक्षित भविष्य के लिए किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कलेक्टर एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी श्री अर्पित वर्मा ने जिले के सभी अभिभावकों के नाम खुला पत्र जारी कर बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने में सक्रिय सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे का सुरक्षित, शिक्षित और सम्मानजनक वातावरण में पालन-पोषण जिले के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है। कलेक्टर ने कहा कि बच्चे राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। स्वस्थ, शिक्षित और सुरक्षित बचपन ही सशक्त समाज की नींव है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह, बाल श्रम, हिंसा, उपेक्षा और यौन शोषण जैसी सामाजिक बुराइयां बच्चों के विकास और भविष्य को प्रभावित करती हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह बच्चों के अधिकारों की रक्षा करते हुए उन्हें सुरक्षित एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने में अपनी भूमिका निभाए।

उन्होंने कहा कि परिवार और समाज बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। प्रत्येक बच्चे को भेदभाव, शोषण और हिंसा से मुक्त वातावरण में आगे बढ़ने का अधिकार है तथा उनके साथ संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार किया जाना चाहिए।

श्री वर्मा ने कहा कि बाल विवाह कानूनन दंडनीय अपराध है और यह बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता एवं बेहतर भविष्य के अधिकारों का हनन करता है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक देश को बाल विवाह मुक्त बनाना है, जिसके लिए जनसहभागिता और जागरूकता आवश्यक है।

कलेक्टर ने अभिभावकों से अपील की कि वे स्वयं बाल विवाह न करें और न ही अपने आसपास होने दें। यदि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले तो तत्काल पुलिस या जिला प्रशासन को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0' के तहत आज होगी मिनी मैराथन

सुबह 6 बजे पोलो ग्राउंड से होगी शुरुआत, विजेताओं को 5,500 तक के पुरस्कार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। पुलिस प्रशासन द्वारा ''नशे से दूरी है जरूरी 2.0'' अभियान के अंतर्गत गुरुवार, 30 जुलाई को सुबह 6 बजे मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य युवाओं और आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन के लिए प्रेरित करना है। दौड़ का शुभारंभ पोलो ग्राउंड से होगा। निर्धारित मार्ग के अनुसार प्रतिभागी तात्या टोपे स्मारक, गुरुद्वारा चौराहा, माधव चौक, कमलागंज, व्हीआईपी रोड, गांधी कॉलोनी, कस्टम गेट, अस्पताल चौराहा, रोटरी चौराहा, कलेक्ट्रेट रोड और एमएम चौराहा होते हुए महल के सामने से वापस पोलो ग्राउंड पहुंचेंगे, जहां दौड़ का समापन होगा।

शिवपुरी सराफा एसोसिएशन के सहयोग से पुरुष एवं महिला वर्ग के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 5,500 एवं शील्ड, द्वितीय स्थान पर ?3,300 एवं शील्ड तथा तृतीय स्थान पर ?2,200 एवं शील्ड प्रदान की जाएगी।

पुलिस प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है कि वे 30 जुलाई को प्रात: 6 बजे पोलो ग्राउंड पहुंचकर इस जन-जागरूकता अभियान में भाग लें और नशा छोड़ें, जीवन जोड़ें के संकल्प को मजबूत बनाएं।

अलीगढ़ के लाल गुलवीर सिंह का राष्ट्रमंडल खेल में धमाल, जीता पहला पुरुष रजत पदक, गांव-घर में जश्न

गुलवीर सिंह का जन्म 1998 में अलीगढ़ जिले के अतरौली क्षेत्र के एक किसान परिवार में हुआ था। उनका बचपन बेहद साधारण परिस्थितियों में बीता। वर्ष 2018 में भारतीय सेना में भर्ती हुए। सेना में मिली बेहतर प्रशिक्षण सुविधाओं ने उनकी प्रतिभा को नई दिशा दी। बाद में उन्होंने आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट और भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय शिविर में प्रशिक्षण लिया।राष्ट्रमंडल खेल 2026 में धावक गुलवीर सिंह ने भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में नया अध्याय जोड़ा। उन्होंने ग्लासगो के अलेक्जेंडर स्टेडियम में पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता। इसके साथ ही वह इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बन गए। यूपी के जनपद अलीगढ़ के अतरौली तहसील के गांव सिरसा के धावक गुलवीर सिंह की इस उपलब्धि से देश के साथ उनके गांव व घर पर खुशी की लहर दौड़ गई। गांव सिरसा में उनके परिवार और ग्रामीणों ने मिठाइयां बांटकर जश्न मनाया। 25 लैप की इस चुनौतीपूर्ण दौड़ में गुलवीर ने धैर्य और समझदारी से प्रदर्शन किया। स्कॉटलैंड में लगातार बारिश और फिसलन भरे ट्रैक के बावजूद उन्होंने अपनी रणनीति नहीं बदली। ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने 27 मिनट 48.93 सेकंड में स्वर्ण पदक जीता। गुलवीर सिंह ने 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय लेकर रजत पदक अपने नाम किया। दोनों के बीच महज 0.85 सेकंड का अंतर रहा। इस पदक से भारत का 16 वर्षों का इंतजार खत्म हुआ। वर्ष 2010 में कविता राउत ने महिलाओं की 10,000 मीटर में कांस्य पदक जीता था।गुलवीर सिंह का जन्म 1998 में अलीगढ़ जिले के अतरौली क्षेत्र के एक किसान परिवार में हुआ था। उनका बचपन बेहद साधारण परिस्थितियों में बीता। वर्ष 2018 में भारतीय सेना में भर्ती हुए। सेना में मिली बेहतर प्रशिक्षण सुविधाओं ने उनकी प्रतिभा को नई दिशा दी। बाद में उन्होंने आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट और भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय शिविर में प्रशिक्षण लिया।वर्ष 2024 में अमेरिका के कोलोराडो स्प्रिंग्स में शुरू हुई विशेष ट्रेनिंग ने उनके प्रदर्शन को नई ऊंचाई दी। इसके बाद उन्होंने 3,000 मीटर, 5,000 मीटर और 10,000 मीटर में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए। वर्ष 2025 की एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 5,000 और 10,000 मीटर दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीता।

पत्नी से झगड़कर टंकी पर चढ़ा युवक, पापा नीचे आ जाओ चिल्लाता रहा पांच साल का बेटा, गिरकर मौत

पेपर मिल रोड पर कांशीराम कॉलोनी में मायके में रह रही पत्नी से मिलने शुभम आया था। यहां दोनों के बीच झगड़ा हो गया। इसके बाद शुभम पास ही स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गया। शुभम की मौत पर बेटे का रोकर बुरा हाल है।पेपर मिल रोड पर कांशीराम कॉलोनी में पानी की टंकी पर चढ़े एक व्यक्ति की गिरकर मौत हो गई। व्यक्ति का अपनी पत्नी से झगड़ा चल रहा था। बच्चे नीचे खड़े होकर पापा नीचे आ जाओ चिल्लाते रहे। पुलिस ने देर शाम शव को टंकी से बाहर निकालकर कब्जे में लिया। मामला सहारनपुर जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र का है। कोतवाली सदर बाजार क्षेत्र में हसनपुर चुंगी निवासी शुभम (30) की शादी कांशीराम कॉलोनी निवासी शिवानी के साथ हुई थी। उनका पांच साल का बेटा है। मंगलवार को शुभम अपनी पत्नी के पास कांशीराम कॉलोनी में मिलने आया था। इसी बीच दोनों के बीच किसी बात पर अनबन हो गई। इसके बाद शुभम कांशीराम कॉलोनी में बनी पानी की टंकी पर चढ़ गया। यह देखकर आसपास के लोगों की भीड़ लग गई।पता लगने पर शिवानी और पुलिस पहुंची। बेटा पापा नीचे आ जाओ, की आवाज लगाता रहा। तीन से चार घंटे तक शुभम टंकी के ऊपर ही बैठा रहा। उसने किसी की बात नहीं सुनी। क्षेत्रीय पार्षद राजकुमार शर्मा ने भी काफी समझाने का प्रयास किया। वह पहले भी कई बार पानी की टंकी पर चढ़ चुका था। देर शाम शुभम पानी से भरी टंकी में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को बाहर निकालकर कब्जे में ले लिया। पत्नी शिवानी का कहना है कि कई महीने पहले महिला थाने से लिखित रूप में फैसला हो गया था। इसके बाद भी वह लगातार आता-जाता था। नशा करते थे।ये बोले सीओ व्यक्ति का अपनी पत्नी के साथ झगड़ा चल रहा था। कई बार कॉलोनी के लोगों ने भी उसे समझाने का प्रयास किया। अभी मृतक के परिजनों की तरफ से कोई तहरीर नहीं आई है। - मनोज कुमार यादव, सर्किल अधिकारी द्वितीय

छोटी सी बात पर तोड़ी जिंदगी की डोर: दादी ने पापड़ भूजने से रोका, किशोर छात्र ने फंदा लगा दी जान

मामूली बात पर किशोर ने फंदा लगाकर जान दे दी। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। बिठूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पारा गांव में अनमोल शर्मा (16) ने सिर्फ इस बात पर फंदा लगाकर जान दी कि उसकी दादी कुषमा ने उसे पापड़ भूजने से रोक दिया। घटना के वक्त पिता प्रेमशंकर शहर काम से गए थे।

पिता प्रेमशंकर ने बताया कि अनमोल 11वीं का छात्र था। मां खुशबू 4 साल पहले तीन बच्चों को छोड़कर किसी और व्यक्ति के साथ सहमति सम्बंध में रह रही है।जानकारी के मुताबिक दोपहर को अनमोल पापड़ भूज रहा था और उसकी दादी कुषमा ने सिर्फ इतना कहा कि अभी पापड़ न भूनो हम शाम को भून देंगे। इसी बात ने नाराज अनमोल ने दादी के सिर पर थाली फेंक कर मार दी और खुद को कमरे में बंद कर दिया। सबने सोचा कि वह सो गया है लेकिन जब छोटी बहन अभिलाषा ने खिड़की से देखा तो अनमोल छत के पंखे से दुपट्टे के सहारे लटक रहा था। आनन-फानन में ग्रामीणों ने दीवार तोड़कर दरवाजा खोला लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।फिलहाल खबर लिखे जाने तक बिठूर पुलिस फॉरेंसिक टीम का इंतजार कर रही है।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय मडोर का डीएम ने किया औचक निरीक्षण, छात्राओं से संवाद कर जानी व्यवस्थाएं

रोटी बनाने की मशीन, वाटर कूलर स्थापित करने तथा स्वच्छ परिसर सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा/ जनपद में बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित आवासीय वातावरण एवं बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आज कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, मडोरा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक, आवासीय एवं अन्य व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने छात्राओं से आत्मीय संवाद कर उनकी पढ़ाई, भोजन, आवास, सुरक्षा एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा उनका हालचाल जाना।

उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर अध्ययन करने, अनुशासन बनाए रखने एवं अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया।जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया तथा सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी। विद्यालय में भोजन व्यवस्था को और अधिक सुचारु एवं सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने रोटी बनाने की मशीन (रोटी मेकर) स्थापित कराने के निर्देश दिए। साथ ही छात्राओं को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के लिए तत्काल एक वाटर कूलर स्थापित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने विद्यालय परिसर, छात्रावास, रसोईघर एवं शौचालयों सहित पूरे परिसर में नियमित एवं उच्चस्तरीय साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि छात्राओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना सभी संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास चौधरी, अध्यापिकाएं सहित संबंधित आदि मौजूद रहे।

साधारण परिवार मे जन्मे आसाधारण व्यक्तित्व के मालिक कलाम साहब ने राष्ट्र प्रथम का संदेश दिया - कादरी

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ गंज बासौदा। भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति एवं मिसाइल मैन डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम साहब की पुण्यतिथि के अवसर पर शासकीय माध्यमिक विद्यालय सेमरी में आज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता और माता सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित के साथ हुआ। विद्यालय के प्रधानाध्यापक, पालक शिक्षक संघ अध्यक्ष सदस्य गण ,शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने डॉ. कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, चिंतक एवं योग गुरू सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने डॉ. कलाम के जीवन, संघर्ष और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे एक साधारण परिवार में जन्म लेकर डॉ. कलाम ने विज्ञान, शिक्षा और राष्ट्रसेवा के क्षेत्र में देश का नाम रोशन किया।साधारण परिवार मे जन्मे आसाधारण व्यक्तित्व के मालिक कलाम साहब ने राष्ट्र प्रथम का संदेश दिया, उनका कहना था सपने वो नहीं जो हम सोते समय देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते ।वरिष्ठ शिक्षाविद भागमल बमन्या ने उनकी स्मृति मे पौधारोपण किया वही छात्र अरूण लोधी ने बनाया प्राकृतिक रंगो के इस्तेमाल व हाथ से बना कलाम साहब का चित्र बाल कैबिनेट ने शाला को भेंट किया ।छात्रों ने डॉ. कलाम पर भाषण, कविता पाठ और देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। विद्यालय के शिक्षकों ने युवाओं से आह्वान किया कि वे डॉ. कलाम के आदर्शों - सादगी, कर्तव्यनिष्ठा, राष्ट्रभक्ति और अनुशासन को अपने जीवन में अपनाएं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने देश की प्रगति और एकता के लिए संकल्प लिया। पालक शिक्षक संघ अध्यक्ष चतर सिंह समाजसेवी फेरन सिंह लोधी ने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा।कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

विदिशा मिर्जापुर बाईपास के किनारे हल्की सी बारिश में मिट्टी का नीचे रोड के ऊपर आना और मोटरसाइकिल यात्रियों का निकलने में फिसल फिसल के गिरना

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ यह दिन के समय का वीडियो है आप सोच सकते हैं रात्रि में निकलने वाले मोटरसाइकिल वाहनों वालों की स्थिति खराब होगी इसलिए शासन प्रशासन से अनुरोध है व्यवस्था बनवाई जाए , क्षेत्रीय वासियों का बताना है कि कई बार लोग गिरते हैं एवं एक्सीडेंट भी होते हैं। यह जानकारी राजकुमार रैकवार गुलाबगंज पत्रकार द्वारा बताया गया रास्ते से गुजरना बहुत महंगा पड़ रहा है इसी तरह अशोकनगर विदिशा रोड फोर लाइन का काम चल रहा है कहीं-कहीं उस रोड में भी स्थिति इसी प्रकार बनी हुई है ताकि सुरक्षा से यात्री निकाल सकें जिला शासन प्रशासन से अपेक्षा।

गुरू पूर्णिमा पर शैक्षणिक संस्थाओं में आयोजन हुए

♦ गुरू हमें सदैव आगे बढ़ने की प्रेरणा देते है विदिशा जिला पंचायत अध्यक्ष गीता कैलाश रघुवंशी

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- गुरू पूर्णिमा पर आज जिले की शैक्षणिक संस्थाओ में आयोजन हुए सांदीपनि विद्यालय बरईपुरा में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष, विधायक, नगरपालिका अध्यक्ष और जिला पंचायत सीईओ ने सम्मिलित होकर विद्यार्थियों का हौंसला अफजाई किया और सेवानिवृत्त शिक्षक अतिथियो द्वारा सम्मानित किए गए है।

गुरू पूर्णिमा पर उज्जैन में आयोजित कार्यक्रम को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भी सम्बोधित किया जिसका सीधा प्रसारण देखने के प्रबंध सांदीपनि विद्यालय बरईपुरा विदिशा में भी सुनिश्चित किए गए थे। इससे पहले विद्यालयीन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी ने कहा कि गुरू की महिला अपरम पार है गुरू ही हमें अच्छे बुरे का ज्ञान देते है। विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन ने कहा कि गुरू हमें सदैव आगे बढने की प्रेरणा देते है उनके अनुभव और मार्गदर्शन पर हम चलकर समाज देश में ख्याति पा सकते है। उन्होंने कहा कि गुरू सदैव सम्माननीय होते है। विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने कहा कि गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति और गुरु-शिष्य परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। आज पूरे देश एवं प्रदेश में गुरुओं का सम्मान और पूजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में हमारी प्राचीन संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं। विधायक श्री टंडन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु की शिक्षा और मार्गदर्शन से ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण होता है। इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को अपने गुरु का सम्मान करते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए तथा जीवन में निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने बच्चों से अपनी भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जुड़े रहने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिष्य के जीवन में गुरु का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान होता है। गुरु के मार्गदर्शन से ही व्यक्ति सफलता की ऊँचाइयों तक पहुँचता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने गुरु के साथ-साथ माता-पिता एवं परिवार के बड़े-बुजुर्गों का भी सम्मान करने और उनसे मार्गदर्शन प्राप्त करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन माता-पिता एवं बड़े-बुजुर्गों के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लेना अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विधायक श्री टंडन ने विद्यालय की छात्रा गायत्री कुशवाह द्वारा संस्कृत भाषा में दिए गए प्रभावशाली भाषण की सराहना करते हुए उन्हें 5,000 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान करने की घोषणा की। छात्रा की उत्कृष्ट प्रस्तुति की उपस्थित अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, विद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राओं ने भी प्रशंसा की।

नवागत जिला सूचना अधिकारी ने संभाला कार्यभार

क्यूँ न लिखूँ सच /बदायूं= जनपद में बुधवार को नवागत जिला सूचना अधिकारी का आगमन हुआ। जनपद बिजनौर से जिला बदायूं में सम्बद्ध किए गए जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार ने बुधवार को जिला सूचना कार्यालय पहुंचकर विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने कार्यालय के विभागीय कार्यों एवं विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली।

नवागत जिला सूचना अधिकारी ने कहा कि शासन एवं सूचना विभाग की नीतियों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा सरकार की उपलब्धियों का प्रभावी एवं समयबद्ध प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कार्यालयीय कार्यों को बेहतर समन्वय के साथ संपादित करने तथा जनपद में संचालित विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की सूचनाओं को अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल माध्यमों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए शासन एवं जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने का कार्य निरंतर प्रभावी ढंग से किया जाएगा। उन्होंने कार्यालय के कर्मचारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने तथा अपने दायित्वों का समयबद्ध ढंग से निर्वहन करने की अपेक्षा की।

कार्यभार ग्रहण करने के दौरान जिला सूचना कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

वहीं निदेशक सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग लखनऊ के निर्देश पर सहायक निदेशक सूचना बदायूँ आशुतोष चन्दोला को अब बिजनौर में सहायक निदेशक सूचना बिजनौर पद पर सम्बद्ध किया गया है।

गुरुपूर्णिमा पर देवगांव में भंडारे में उमड़ी भारी भीड़, देर रात तक मंदिर में भक्तों की आती जाती रही भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। आज गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर श्री परमहंस 1008 बद्री विशाल आश्रम देवगांव पर धूमधाम से मनाया गया जिसमें अध्यक्ष नारायणी तिवारी प्रबंधक पंडित मदन मोहन तिवारी पप्पू महाराज राज कुमार तिवारी उद्योग व्यापार मंडल की नगर अध्यक्ष संजय लोहिया अखिलेश अग्रवाल संदीप चोपड़ा नीलम लोहिया रोमी अग्रवाल दतिया वाले सिया शरण पहारिया लक्ष्मण निरंजन आत्म प्रकाश भदोरिया प्रेम पटेल संतोष लोहिया गुड्डन पटेल पहलाद द्विवेदी हरगोविंद खुराना सत्य प्रकाश पटेल नितिन पटेल आदि लोग व्यवस्था में लगे रहे मंदिर पर देर रात तक भक्तों के दर्शन करने के लिये आते जाते रहे। मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में कोंच क्षेत्र के लोग शामिल रहे। सुरक्षा व्यवस्था में कैलिया थाने के एस ओ अवनीश कुमार पटेल दरोगा संतोष कुमार यादव दरोगा रूपेंद्र पाल यादव दरोगा दिनेश कुमार सिंह दरोगा राम स्वरूप सिंह गौर सहित कई पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में अमृत औषधि केंद्र का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूं मरीजों को सस्ती, गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय दवाइयां उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राजकीय मेडिकल कॉलेज, बदायूं परिसर में अमृत औषधि केंद्र का शुभारंभ बुधवार को उप-प्रधानाचार्य डॉ. नेहा सिंह की उपस्थिति में किया गया।

अमृत औषधि केंद्र का संचालन एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड द्वारा किया जाता है, जो भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। यह भारत सरकार की प्रमुख स्वास्थ्य योजना है, जिसका उद्देश्य कैंसर, हृदय रोग सहित अन्य गंभीर बीमारियों के उपचार में उपयोग होने वाली आवश्यक दवाइयों एवं चिकित्सा प्रत्यारोपण सामग्री को आमजन तक किफायती दरों पर उपलब्ध कराना है। इस योजना के अंतर्गत दवाइयां एवं चिकित्सा प्रत्यारोपण सामग्री बाजार मूल्य की तुलना में 50 से 90 प्रतिशत तक की छूट पर उपलब्ध कराई जाती हैं, जिससे मरीजों पर उपचार का आर्थिक बोझ काफी कम होता है।

उल्लेखनीय है कि राजकीय मेडिकल कॉलेज, बदायूं एवं एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड के बीच अमृत औषधि केंद्र के संचालन के लिए 24 मार्च 2026 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसी समझौते के तहत बुधवार को कॉलेज परिसर में औषधि केंद्र का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में अमृत औषधि केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. श्रवण कुमार भार्गव, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विपिन कुमार, शरीर रचना विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. मुकत्याज हुसैन, शरीर क्रिया विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अभिषेक शर्मा, रोग विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. सुचेता यादव एवं जनसंपर्क प्रभारी डॉ. लालेन्द्र यादव सहित कॉलेज के अन्य संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वहीं एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड की ओर से उपमहाप्रबंधक रामगोपाल शुक्ला, सहयोगी प्रबंधक अशोक कुमार सिंह, पार्थक शुक्ला, औषधि विक्रेता तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्य डॉ. नेहा सिंह ने कहा कि अमृत औषधि केंद्र का उद्देश्य संस्थान में उपचाररत मरीजों तथा आमजन को गुणवत्तापूर्ण दवाइयां एवं आवश्यक चिकित्सा सामग्री रियायती दरों पर उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें बेहतर, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अमृत औषधि केंद्र के संचालन से क्षेत्र के हजारों मरीजों को आर्थिक राहत मिलने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी।

This 'chicken soup' will double the fun of the rainy season, with this recipe for a restaurant-like taste.

Chicken soup is a delicious dish that is also very beneficial for health. A bowl of hot chicken soup during the monsoons is simply amazing. It's the perfect dish for the rainy season. Chicken soup is simply delicious. Ingredients bones) - 500 grams Onion - 1 large - 1 tablespoon Green chilies - 2 Butter/ghee - 2 tablespoons Bay leaf - Small cardamoms - 2 Cinnamon stick powder - 1/2 teaspoon Coriander powder - 1/2 teaspoon Black pepper Lemon juice - 1 tablespoon Method wash the chicken thoroughly 2-3 times discard the water. 2. Heat ghee or Add all the whole spices and let them onion and green chilies and fry until the ginger-garlic paste and cook for a Now add the chicken and fry it over chicken begins to turn white. 5- Next, coriander powder, cumin powder, chicken and fry until the tomatoes water, cover the pressure cooker, and 7- After the pressure is released, open and lemon juice and let it simmer for The hot, aromatic chicken broth is as it helps prevent colds and flu during the monsoon season. The best part is that you can make chicken broth very easily. Let's learn its easy recipe.

for Chicken Shorba: Chicken (with Tomato - 1 medium Ginger-garlic paste Coriander leaves - finely chopped 1 Black peppercorns - 8-10 Cloves - 3-4 - 1 inch Ground spices - Turmeric powder - 1 teaspoon Roasted cumin powder - 1/2 teaspoon Salt - to taste for making Chicken Shorba: 1. First, under running water. Then, strain and butter in a pressure cooker or deep pan. crackle for 30 seconds. Add the chopped the onions turn light golden. 3- Next, add minute until the raw smell goes away. 4- high heat for 4-5 minutes until the add the chopped tomatoes, turmeric, and salt. Mix the spices well with the soften. 6- Now, add about 4-5 cups of cook over medium heat for 4-5 whistles. the cooker. Add black pepper powder two minutes, then turn off the heat. 8- ready. It's also very beneficial for health,

Craving a spicy 'samosa chaat' like the ones you find at the market? Bring the same street food flavor at home with this easy recipe.

Samosa chaat is a very tasty street snack. It can be made at home in a very easy way. When it comes to North India's most favorite snacks, the samosa is a common name, but when the same samosa is mixed with sweet and spices, it becomes samosa chaat. and can be served with tea or learn a very easy recipe for Ingredients for Samosa Chaat Boiled Chickpeas - 2 cups Thick Tamarind Chutney - 1/2 cup - 1/2 cup Onion - 1 large Tomato Chaat Masala - 1 tsp Roasted Chili Powder - 1/2 tsp Black taste Fine Sev/Bhujiya - 1/2 cup chopped Pomegranate Seeds - Recipe Method: 1. First, boil the chickpeas with salt and whole gravy with turmeric, coriander, take a wide plate or bowl. Place break them slightly with your put hot chole on the broken tablespoons of cold and top. 4- Now pour spicy green tamarind chutney as per taste finely chopped onion, tomato and green chilli on it and sprinkle a pinch of chaat masala, roasted cumin powder, red chilli powder and black salt on it. 6- Finally, to make the chaat crispy, add lots of fine sev on top. Garnish with fresh coriander leaves and pomegranate seeds and serve.

sour chutney, yogurt, and Samosa chaat is delicious as a snack at a party. Let's making Samosa Chaat. Recipe: Samosas - 4 Yogurt - 1 cup Sweet Coriander-Mint Chutney - 1 small Green Chillies - 2 Cumin Powder - 1 tsp Red Pepper/Black Salt - to Coriander Leaves - finely 2-3 tbsp Samosa Chaat overnight soaked spices. Then, make a thin and garam masala. 2. Now two hot samosas in it and hands or a spoon. 3- Now samosas and pour 3-4 whipped sweet curd on chutney and sweet-sour on the curd. 5- Now put

This song originates from the forests of Madhya Pradesh and Gujarat. Learn how a tribal folk song became a nationwide dance anthem.

"Hamu Kaka Baba Na Poria Re," a folk song originating from the tribal communities of Western India, has now become a popular dance anthem across the country. This song is part of the oral traditions of the Bhil, brotherhood and unity. India is in everything from food and have remained a part of our one such song. The song we are song that has reached the lips The song we are talking about more about this song: where is communities of Western India. the Bhil, Bhilala, and Rathwa Madhya Pradesh, and and Bhili dialects. These areas maintained their distinct structures, away from the the meaning of this song? To it is important to understand its mean "We are the children of brotherhood and unity. This gatherings to highlight History of the "Timli" dance: dance and music genre. Timli is traditionally created with local the mandal and dhol, pipudi energy. Historically, Timli

Bhilala, and Rathwa tribes, symbolizing a country of diversity, and this diversity is evident language to folk art. We have many folk songs that culture for centuries. In this article, we will explore going to talk about today is actually a tribal folk of many people after going viral on social media. is "Hamu Kaka Baba Na Poria Re." Let's learn it sung? This song is very popular among the tribal It is primarily associated with the oral traditions of tribes. Originating from the tribal areas of Gujarat, Maharashtra, this folk song is sung in the Rathwali were densely forested, where tribal communities cultural independence, languages, and socio-political mainstream. It reflects this very structure. What is understand the historical significance of this song, lyrics. Its words, "Hamu Kaka Baba Na Poriya Re," our ancestors." The song reflects a deep sense of song was traditionally sung at inter-village community strength, solidarity, and tribal culture. This song is the most famous example of the Timli characterized by its fast-paced and energetic tunes, instruments. Similarly, in this song, the sounds of (flute), and ghungroo add to the song's energizing music was a means of storytelling and community bonding, performed after a good harvest or at the arrival of spring. Connection to the Bhagoria Festival: This traditional folk song is also associated with the Bhagoria Haat, an ancient agricultural festival celebrated by the Bhil and Bhilala tribes before Holi. During this time, neighboring tribes gather in local markets and dance in circles to the song "Hamu Kaka Baba Na Poriya Re"; celebrating their ancestral roots. A return to the modern era and cultural preservation: In recent years, this song has evolved from regional folk culture to become a part of global pop culture. Presently, "Hamu Kaka Baba Na Poriya Re" has become not just a local tribal song but also a popular dance track, which reflects the existence, unity and unbreakable cultural heritage of the tribals.

"Really? Marrying again..." Hina Khan reacts to Aamir Khan's third marriage, also discusses divorce

Hina Khan shared her opinion on Aamir Khan's third marriage on Rubina Dilaik's podcast. She explained how society views multiple marriages and divorce. Hina Khan spoke about Aamir

Khan's third marriage on Rubina married Gauri Spratt, which spotlight. While many fans wished third marriage. Now, actress Hina Khan spoke on Aamir Khan's society views multiple marriages. episode of Rubina Dilaik's podcast, husband, Rocky Jaiswal. The two impacts how audiences perceive to Aamir Khan and his recent argument? When Rubina Dilaik influence public opinion, Hina Khan's films should be successful." star has managed to stay away from Responding to this, Hina asked, "Is to Gauri?" Explaining why discussion, Hina said, "The 'Really? Married again? Gave up wasn't judging the actor. Rather, are generally viewed. Did Hina call "It's not considered very good in after another." Rocky Jaiswal further said that forget about marriage, even divorce is not looked upon favorably. Before marrying Gauri, Aamir was married to Kiran Rao. His first marriage was to Reena Dutta.

Dilaik's podcast. On July 5th, Aamir Khan brought his personal life back into the him well, some also questioned the actor's Khan has also spoken on the subject. Hina marriage and explained how she believes Hina Khan recently appeared on a recent "the4POV." She was accompanied by her discussed whether an actor's personal life their work. The conversation soon turned marriage. What was Hina Khan's said she believed an actor's personal choices replied, "By that logic, none of Aamir Rubina then pointed out that the Bollywood major controversies throughout his career. this any less controversial than his marriage Aamir's marriage might be a topic of common person would naturally think, on this too?"' She also clarified that she she was talking about how such situations Aamir's marriage wrong? - Hina Khan said, our society, Rubina... to have one marriage

"Don't respect the elderly..." Richa Chadha's statement sparked a social media uproar, with users criticizing the actress.

Actress Richa Chadha recently made a comment about the elderly, which has led to criticism on the internet. Richa Chadha's comment on the elderly sparked a backlash on social media.

Actress receives criticism on the internet. skills as well as her outspoken style. debate on the internet. Richa Chadha not just because of their age, but because her language, while others supported her accountability. Actress Richa Chadha has citizens. The controversy escalated after on issues like respect, aging, and public when Richa shared a post on Instagram education issues. In her post, she argued the actress say? She wrote, "Please don't automatically respect them because of respect." The post also addressed age- insensitive and offensive. One user wrote, always been making anti-national how many bathrooms she checked to and sharing her experience... Just like her children (if they have any) would abuse Bernert was among those who objected to Richa's comment. Replying to the post, Bernert wrote, "It's good you'll never grow old. Congratulations." Some people supported Richa's argument. However, some also supported Richa's argument. Supporters argued that Richa's message was about accountability rather than age, and that her words were being misinterpreted. The discussion soon turned into a broader conversation about whether age alone should command respect or should behavior determine how people should be treated. Richa Chadha's upcoming projects include her debut film as a writer/actor, 'Aakhri Somvar'. She is also working on an untitled situational comedy based in Delhi with Ali Fazal, and an OTT crime-thriller series in which she plays a detective.

Bollywood actress Richa Chadha is known for her excellent acting Recently, the actress made a statement that sparked a heated faced criticism when she said that the elderly should be respected of their work. Her statement divided social media; many criticized perspective. This sparked a debate about aging, respect, and come under fire on social media following a harsh post about senior she received outrage and sharp reactions, sparking a major debate discourse. Richa Chadha faces criticism: This criticism began supporting a young protester during demonstrations related to that respect should not be given solely based on age. What did respect the elderly just because they are senior citizens... Don't their age; they were simply born before you. Let them earn related health problems, which many social media users called "Just like no one takes your Bollywood career seriously. You've statements, and you never disappoint." Another added, "I wonder check senior citizen trips. Maybe she was checking for her father career, she's stupid and showing off her upbringing. I wish her her and her family in the same language." Actress Suzanne

Alan's debut film, Pyaar Prema Kalyanam, is set to hit Netflix. The romantic comedy will release on this date.

Are you looking forward to watching a romantic comedy film on OTT platforms? Here are the streaming details for 'Pyaar Prema Kalyanam'. Alan is making his debut with a romantic

comedy - when and where will will hit Netflix. OTT platforms just because they offer access stream after theatrical releases. unlimited content alongside releasing an original film, the "Pyaar Prema Kalyanam" on OTT platforms. Director which will mark his debut as a digital release. What is the story story of Pavi, a popular home after marriage. Instead, sparking a thrilling journey of expectations, and self- unique way of life, they soon worth challenging is the idea their happily ever after will look Srinidhi Sagar said, "After the – which proved that authentic worldwide – we were looking appeal. The moment we heard of heartwarming emotion, to watch 'Pyaar Prema premiere directly on Netflix on August 21, 2026. The official announcement was made through the social media handles of the streaming platform. Cast and crew of 'Pyaar Prema Kalyanam' 'Pyaar Prema Kalyanam' stars Alan and Saanvi Meghana in the lead roles, while Radhika Sarathkumar, Yogi Babu, MS Bhaskar, Geetha Kailasam, Ilango Kumaravel, Senthil and many others play important roles.

'Pyaar Prema Kalyanam' release? - The film have become a major entertainment hub, not to old movies, new shows, and movies that OTT platforms are also offering viewers their original content. Netflix is ??recently release date of which has been announced. will soon be available to entertain audiences Alan will be making his debut in the film, lead actor. This romantic comedy is set for a of the film? "Pyaar Prema Kalyanam" is the influencer who refuses to leave her family her husband, Alan, moves in with her, culture clashes, family turmoil, shifting discovery. As this new couple navigates their realize that perhaps the biggest tradition that someone else should determine what like. Speaking about the film, producer overwhelming response to 'Made in Korea' Tamil stories can resonate with audiences for another story with similar universal this story, we knew it had the perfect blend humor, and connection." When and where Kalyanam'? 'Pyaar Prema Kalyanam' will